भजन

तर्ज–अजी रुठ कर अब

धनी है मेहरबां ना घबराइएगा
सदा राजश्यामा कहे जाइएगा

1–सोई रूहों को जगाया है तुमने
छुपा भेद था जो बताया है तुमने
है फिर भी क्यों पर्दा ये बतलाइएगा
नजर आइएगा, नजर आइएगा

2–लाखों मुसीबत भी आएं तो क्या है
धनी भी तो संग अपने आए यहां है
ईमां से अपने ना गिर जाइएगा
यकीं लाइएगा

3–है साहेब की साहेबी समझनी भी मुश्किल
उन्होने बनाया हमें अपने काबिल
संभल जाइएगा, संभल जाइएगा